Course--- MA, Education,part 2

Paper--7th, Educational Administrative Practice

Prepared by -- Dr Meena Kumari

Topic-- Educational Supervision

शैक्षिक पर्यवेक्षण

(1) प्रस्तावना -- शिक्षा का अंतिम तथा मुख्य उद्देश्य व्यक्ति के विकास के साथ-साथ देश का विकास है ।शैक्षिक उद्देश्यों की पूर्ति करने के लिए शैक्षिक संस्थाओं तथा प्रक्रियाओं का अवलोकन करना आवश्यक होता है ताकि सही तरीके से लक्ष्यों को हासिल किया जा सके ।इसी उद्देश्य से शैक्षिक संस्थाओं में निरीक्षण तथा अवलोकन का कार्य किया जाता है। शैक्षिक प्रशासन का एक मुख्य कार्य निरीक्षण एवं पर्यवेक्षण है ।सभी सरकारी तथा गैर सरकारी संस्थाओं को अनुदान या मान्यता सरकार द्वारा ही दिया जाता है । सरकारी प्रशासन अर्थात केंद्र,राज्य तथा स्थानीय स्तर के पदाधिारीगण अप्रत्यक्ष रूप से इन संस्थाओं के माध्यम से राष्ट्र का विकास करते हैं ।अतः शैक्षिक प्रशासन का यह कार्य होता है कि शैक्षिक कार्यक्रमों का अवलोकन निरीक्षण तथा पर्यवेक्षण करना ताकि लक्ष्यों को प्रभावी तरीकों से हासिल किया जा सके।

(2) शैक्षिक पर्यवेक्षण का अर्थ --- शिक्षा के क्षेत्र या परिधि में शैक्षिक लक्ष्य को प्राप्त करने के उद्देश्य से किया जाने वाला अवलोकन सर्वेक्षण कहलाता है। शिक्षा की प्रक्रिया में शिक्षक ,कर्मचारी, प्रक्रिया, तंत्र तथा समुदाय आदि सम्मिलित होते हैं। शिक्षण संस्थान का समग्र वातावरण तथा समग्र संसाधनों का उपयोग तथा मूल्यांकन किया जाना आवश्यक है ।शिक्षण अधिगम प्रक्रिया को और प्रभावशाली बनाने के लिए एवं लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए शिक्षकों का प्रशिक्षण तथा उनके कल्याण संबंधी तथ्यों पर भी विचार विमर्श किया जाता है। सर्वेक्षण का लक्ष्य है शिक्षण संस्थाओं में प्रभावशाली शैक्षिक सुविधाओं का प्रबंधन, निर्देशन शिक्षण विधियां, विद्यालय सुविधाएं, पुस्तकालय, खेल का मैदान, सभागार ,पाठयचर्या आदि को प्रभावशाली बनाने के लिए सुझाव देना तथा क्रियान्वयन करने की व्यवस्था करना। शैक्षिक क्रियाओं में भी नित्य नए नए नवाचार प्रक्रियाओं को शामिल किया जाने लगा है । पर्य वेक्षण इसी तरह का एक कार्य है। सर्वेक्षण का कार्य एक वैज्ञानिक एवं वस्तुनिष्ठ विधियों का प्रयोग करते हुए पूर्णता पूर्वाग्रह मुक्त होकर निष्पक्ष तरीके से किसी भी प्रक्रिया तथा तंत्र का अवलोकन किया जाना है ।स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद हमारे देश में निरीक्षण शब्द के स्थान पर पर्यवेक्षण शब्द का प्रयोग किया जाने लगा ।यहां के शिक्षाविदों को निरीक्षण शब्द को अधिक संकुचित एवं भय बढ़ाने वाला माना। शैक्षिक परिस्थिति में इसका प्रयोग करना उचित नहीं होगा वैसे भी आज प्रजातांत्रिक परिस्थिति में निरीक्षण शब्द का प्रयोग अधिक उचित नहीं लगता है। शैक्षिक संगठनों में पर्यवेक्षक की प भूमिका परामर्शदाता की तरह होते हैं जिनका लक्ष्य कमियों को दूर कर संस्था के लक्ष्यों को तथा शिक्षा के मूल उद्देश्यों को हासिल किया जा सके। पर्यवेक्षण ,प्रशासन के प्रत्येक क्षेत्र का एक अनिवार्य एवं महत्वपूर्ण पक्ष है। प्रशासन चाहे कितना ही कुशल हो पर्यवेक्षण के अभाव में उसकी उपलब्धियों हासिल नहीं हो पाता यह प्रशासन का एक कार्य है। प्रशासक जब कोई योजना बनाता है उसे क्रियान्वित करता है ।जब योजना क्रियान्वित होती है तो उनमें अनेक व्यक्ति लगे होते हैं तथा सभी की भूमिकाएं अलग-अलग होते हैं ।इस परिस्थिति में प्रशासक की जिम्मेवारी होती है कि वह यह

देखें कि योजना सफलतापूर्वक हो रहा है अथवा नहीं ।प्रशासक अपने उद्देश्य की पूर्ति के लिए कर्मचारियों को परामर्श भी देता है, प्रेरणा भी देता है कमियों को दूर भी करता है। इन सभी क्रियाओं का उद्देश्य है कि कर्मचारियों का परिश्रम सार्थक हो और योजनाओं को सही तरीके से हासिल किया जा सके । योजनाओं को क्रियान्वित किया जा सके इसलिए प्रशासन सभी शैक्षिक प्रक्रियाओं के समग्र कार्यों का पर्यवेक्षण करता है। पर्यवेक्षकों का कार्य है शासकों द्वारा नियोजित कार्यों का क्रियान्वयन तथा देखभाल ।यह एक ऐसी व्यवस्था है जो शिक्षण संस्थाओं की प्रगति ,शिक्षकों की व्यवसायिक कुशलता, छात्रों के विकास तथा राष्ट्र के विकास की ओर अग्रसर करती है ।इसके कुछ मुख्य परिभाषाएं निम्नवत है-----

- कैंपबेल के अनुसार पर्यवेक्षण उत्तम शिक्षण अधिगम परिस्थितियों के विकास में एक सहायता है।

- विलियम के अनुसार सर्वेक्षण को वर्तमान समय में एक ऐसी प्रक्रिया के रूप में माना जाता है जिसका उद्देश्य संपूर्ण शिक्षण अधिगम परिस्थिति में व्यापक सुधार है।

- डगलस एवम् अन्य के अनुसार पर्यवेक्षण शिक्षकों के विकास को व्यक्तिगत एवं सामूहिक रूप से प्रेरित करने समायोजित करने तथा निर्धारित एवं निर्देशित करने का एक ऐसा प्रयास है जो उन में निरंतर शिक्षण से संबंधित सभी कार्यों को बेहतर ढंग से समझने तथा प्रभावी तरीके से संपन्न करने योग्य बनाता है। जिनके द्वारा वे प्रत्येक व्यक्ति के विकास को इस प्रकार बेहतर ढंग से प्रेरित एवं निर्देशित कर सकेंगे कि वह समाज में अधिकाधिक एवं बुद्धिमत्ता पूर्वक भागीदार बन सकें।

- बार , बर्टन एवं ब्रुकनार के अनुसार --"पर्यवेक्षण एक कुशल तकनीकी सेवा है जो उन अवस्थाओं का अध्ययन करने तथा उसमें उन्नति करने से संबंधित है जो छात्रों में सर्वांगीण विकास एवं अधिगम के इर्द-गिर्द घूमती है

- चेस्टर टी, मैकैनार्वे -- पर्यवेक्षण शिक्षण क्रिया का आलोचनात्मक मूल्यांकन करने तथा निर्देशन देने की एक विधि है। इसका अंतिम उद्देश्य छात्रों को उत्तम शिक्षण सेवा द्वारा सभी स्तरों पर योग्य बनाना है।

- मुदालियर कमीशन के अनुसार "हमारी दृष्टि में निरीक्षण की वास्तविक भूमिका जिसे हम शैक्षिक परामर्शदाता कहना अधिक उपयोग समझते हैं । प्रत्येक विद्यालय की समस्याओं का अध्ययन करना है तथा देश के समस्त कार्यों के विषय में विस्तृत दृष्टिकोण अपनाना है । इसके अतिरिक्त शिक्षकों की सहायता भी इस प्रकार करना है जिससे वे परामर्शदाता के रूप में परामर्श तथा सतुतियों को मान सके।

उपर्युक्त परिभाषाओं तथा उदाहरण से यह स्पष्ट होता है कि :----

- पर्यवेक्षण एक तकनीक है जिसके द्वारा शैक्षिक व्यवस्थाओं को और अधिक प्रभावी बनाया जाता है।
- पर्यवेक्षण एक रचनात्मक तथा गतिशील तकनीकी सेवा है जिसका उद्देश्य कार्य तथा प्रक्रिया में तालमेल बैठाकर परिणाम को सर्वोत्तम बनाना है।

- शैक्षिक नेतृत्व के अतिरिक्त ज्ञान एवं उत्तम कौशल प्रदान करने में पर्यवेक्षण का विशेष योगदान रहता है।
- संस्था के अंदर समभाव तथा उत्तम शैक्षिक वातावरण का प्रयास पर्यवेक्षण के द्वारा किया जाता है ।
- पर्यवेक्षण शिक्षकों को संबंध में निर्देश तथा मार्गदर्शन प्रदान करता है ।
- शिक्षकों को निरंतर अभिवृद्धि एवं छात्रों के विकास में योगदान देता है ।
- निर्देशों में सुधार करता है और शिक्षण अधिगम की परिस्थितियों तथा प्रक्रिया में सुधार लाता है ।
- वांछित लक्ष्य की प्राप्ति में सहायक है ।

इस दृष्टि से परीक्षण की परिभाषा इस प्रकार दी जा सकती है कि पर्यवेक्षण एक रचनात्मक एवं गतिशील प्रक्रिया है जो समभाव से मार्गदर्शन एवं दिशा निर्देश देकर शिक्षकों एवं छात्रों को विकास के अवसर प्रदान करता है तथा वांछित लक्ष्य को प्राप्त करने में शिक्षण अधिगम की प्रक्रिया एवं परिस्थिति को सुधारना है।

(3) शैक्षिक पर्यवेक्षण के उद्देश्य एवं महत्व -,कुलसचिव,शिक्षा सचिव,शिक्षा निदेशक,जिला शिक्षा पदाधिकारी,से लेकर प्रधानाचार्य और प्रधानाधयापकों इत्यादि तक को पर्यवेक्षण की भूमिका शिक्षण अधिगम की प्रक्रिया को उन्नत करने में निभानी पड़ती है।इसके निम्नलिखित उद्देश्य होते हैं ---

- छात्रों, शिक्षकों तथा पाठ्यक्रम निर्माण करने वाले समिति के मध्य आपसी तालमेल करवाना ।
- उत्तम पाठ्यक्रम का निर्माण करवाना।
- शैक्षिक उद्देश्यों की पूर्ति में सहायता प्रदान करना।
- उद्देश्यों को हासिल करने के लिए उचित कदम तथा लगातार अवलोकन करना।
- कर्मचारियों के मजबूती तथा कमजोरी को जानना तथा उसे दूर करना।
- संस्था के कमियों को दूर करना।
- कर्मचारियों के लिए प्रशिक्षण की व्यवस्था करना।
- कर्मचारियों के कल्याण के लिए कार्य करना।
- संस्था की कमजोरियों को जानना तथा उसे दूर करना ।
- शिक्षकों तथा कर्मचारियों को सहायता प्रदान करना ।
- पर्यवेक्षण को गतिशील बना कर रखना ।

- पाठ्यक्रम में सुधार करना वांछित सुविधाएं प्रदान करना

- शिक्षकों को नवाचार प्रक्रियाओं से अवगत कराना।
- प्रजातांत्रिक नेतृत्व का निर्माण करना।

- शैक्षिक समस्याओं का निराकरण करना इत्यादि ।